Need to declare Gandhamardan Hills in Odisha as national wealth-Laid

श्री प्रदीप पुरोहित (बारगढ़) : मेरे क्षेत्र बारगढ़ (ओडिशा) में गंधमर्दन पहाड़ की लगभग 97 किमी लंबाई हैं और यहां से दो प्रमुख नदियां निकलती हैं । साथ ही यहां भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा पहचानी गई 256 से अधिक दुर्लभ औषधीय पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं । ये पहाड़ियां ऐतिहासिक,धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं । उत्तरी ढलान पर स्थित नरसिंहनाथ और दक्षिणी ढलान पर हरिशंकर मंदिर श्रद्धेय ऐतिहासिक स्मारक हैं । प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने इसे अपनी यात्रा-वृतांत में ?परिमलगिरी? नामक बौद्ध धरोहर स्थल के रूप में उल्लिखित किया है । इन पहाड़ियों के आसपास 50 हज़ार से अधिक जनजातीय लोग निवास करते हैं जिनका जीवनयापन इन पहाड़ियों के पर्यावरण से गहराई से जुड़ा हुआ है ।1983 में कांग्रेस सरकार ने इन पहाड़ियों को खनन हेतु पट्टे पर दिया जिसके विरोध में स्थानीय जनजातीय समुदायों ने व्यापक प्रदर्शन किए और 1988 में पट्टा रद्द कर दिया गया । इसके बाद कई सरकारों ने खनन की योजना बनाई, लेकिन हर बार जनजातीय समुदायों के विरोध ने इसे रोका । मेरा सरकार से अनुरोध है कि गंधमर्दन पहाड़ियों को राष्ट्रीय सम्पति घोषित किया जाए और इसे केंद्रीय पर्यटन,खेल और सतत विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जाए । यह कदम इस धरोहर को संरक्षित करने और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को सुधारने में सहायक होगा ।